M.A. Ist Semester

Paper I (पेपर –I)

Problems of Indian Philosophy
भारतीय दर्शन की समस्याएँ

Unit-I (इकाई – I)

Vedic and Upanisadic World-Views: Rita-the cosmic order, the divine and the human realms; the centrality of the institution of yajna, the concept of rna-duty/obligation; theories of creation

Atman – self (and not-self), Jagrat, Svapna, Susupti and turiya, Brahman, Sreyas and Preyas, Karma, Samsara, Moksa

वैदिक एवं औपनिषद् विश्व–दृष्टि : ऋत–विश्वव्यवस्था, दैवी एवं मानवीय क्षेत्र; यज्ञ संस्थान की केन्द्रीभूतता, ऋण की अवधारणा – कर्त्तव्य/नैतिक बाध्यता; सृष्टि के सिद्धान्त।

आत्मा एवं अनात्मा, जाग्रत, स्वप्न, सुषुप्ति तथा तुरीय, ब्रह्म, श्रेयः तथा प्रेयः कर्म, संसार, मोक्ष

Unit-II (इकाई – II)

Carvaka: Pratyaksa as the one Pramana, critique of anumana and sabda, rejection of non-material entities dharma and moksa

चार्वाक : प्रत्यक्ष प्रमाण, अनुमान तथा शब्द की समीक्षा, अभौतिक पदार्थों, धर्म तथा मोक्ष का निराकरण

Jainism: Concept of reality: Sat, drava, guna, paryaya, jiva, ajiva, anekantavada, syadvada and nayavada; theory of knowledge; bondage and liberation

जैन दर्शन : सत् की अवधारणा, सत्, द्रव्य, गुण, पर्याय, जीव, अजीव, अनेकान्तवाद, स्यादवाद और नयवाद; ज्ञानमीमांसा, बन्ध एवं मोक्ष

Buddhism: Four noble truths, astangamarga, nirvana, madhyam pratipad, Pratityasamutpada, Ksanabhangavada, anatmavada, Brahmaviharas

Schools of Buddhism: Vaibhasika, Sautrantika, Yogacara and Madhyamika

बौद्ध दर्शन : चार आर्य सत्य, अष्टांग मार्ग, निर्वाण, मध्यम प्रतिपद, प्रतीत्यसमुत्पाद, क्षणभंगवाद, अनात्मवाद, ब्रह्मविहार

बौद्ध दर्शन के सम्प्रदाय : वैभाषिक, सौत्रान्तिक, योगाचार तथा माध्यमिक

Unit-III (इकाई – III)

Nyaya: Prama and aprama, Pramanya and apramanya;

Pramana: Pratyaksa, nirvikalpaka, Savikalpaka, laukika and alaukika; anuman: anvayavyatireka, lingaparamarsa; Vyapti, Classification: Vyaptiagrahapayas, Hetvabhasa, Upamana

Sabda: Sakti, laksana, akanksa, yogyata, Sannidhi and tatparya, concept of God, arguments for the existence of God, adrsta, nihsryeasa

न्याय दर्शन : प्रमा तथा अप्रमा, प्रामाण्य एवं अप्रामाण्य – प्रमाणः प्रत्यक्ष, निर्विकल्पक, सविकल्पक, लौकिक और अलौकिक, अनुमानः अन्वयव्यतिरेक, लिंXपरामर्श, व्याप्ति, वर्गीकरणः व्याप्तिग्रहोपाय, हेत्वाभास, उपमान;

शब्द : शक्ति, लक्षणा, आकांक्षा, योग्यता, सन्निधि तथा तात्पर्य

ईश्वर की अवधारणाः ईश्वर की अस्तित्वसिद्धि के लिए युक्तियाँ, अदृष्ट, निः श्रेयस

Vaisesika: Concept of Padartha, dravya, guna, Karma, Samanya, Samavaya, Visesa, abhava, causation: Asatkaryavada, Samavayi, asamavayi, nimitta, karma, Paramanuvada, adrsta, nihsryeasa

वैशेषिक दर्शन : पदार्थ की अवधारणा, द्रव्य, गुण, कर्म, सामान्य, समवाय, विशेष, अभाव, कारणताः असत्कार्यवाद, समवायि, असमवायि, निमित्त कारण, परमाणुवाद, अदृष्ट, निःश्रेयस

Unit-IV (इकाई – IV)

Samkhya: Satkaryavada, Prakrati and its evolutes, arguments for the existence of Prakrati, nature of Purusa, arguments for the existence and plurality of Purusa, relationship between Purusa and Prakrati, Kaivalya, atheism

सांख्य दर्शन : सत्कार्यवाद, प्रकृति और उसके परिणाम, प्रकृति की अस्तित्वसिद्धि के लिए युक्तियाँ, पुरुष का स्वरूप, पुरुष के अस्तित्व और बहुत्व के लिए युक्तियाँ, पुरुष और प्रकृति का सम्बन्ध, कैवल्य, निरीश्वरवाद

Yoga: Patanjali's concept of citta and citta-vrtti, eight fold path of yoga, the role of God in yoga

योग दर्शन : पतंजलि की चित्त और चित्तवृत्तियों की अवधारणा, योग का अष्टांगमार्ग, योग में ईश्वर की भूमिका

Unit-V (इकाई – V)

Purva-Mimansa: Sruti and its importance, atheism of Purvamimansa, classification of srutivakyas, vidhi, nisedha and arthavada, dharma, bhavana, sabdanityavada, Jatisaktivada

Kumarila and Prabhakara School of Mimamsa and their major points of difference, triputi- Samvit, Jnatata, abhava and anupalabdhi, anvitabhidhanavada, abhitanvayavada

पूर्वमीमांसा : श्रुति तथा उसका महत्व, पूर्वमीमांसा का अनीश्वरवाद, श्रुतिवाक्यों का वर्गीकरण, विधि, निषेध और अर्थवाद, धर्म, भावना, शब्दानित्यवाद, जातिशक्तिवाद

मीमांसा के कुमारिल एवं प्रभाकर सम्प्रदाय तथा उनके प्रमुख मतभेद, त्रिपुटी– संवित्, ज्ञातता, अभाव और अनुपलब्धि, अन्विताभिधानवाद, अभिहितान्वयवाद

Recommended Books

1. डॉ. एन.के. देवराज : भारतीय दर्शन
2. डॉ. बंदिस्ट (सपा.) : भारतीय दार्शनिक निबन्ध
3. डॉ. राधाकृष्णनः भारतीय दर्शन – भाग 1 एवं 2
4. डॉ. बी.एन. सिंह : भारतीय दर्शन
5. डॉ. चन्द्रधर शर्मा : भारतीय दर्शन का सर्वेक्षण
6. डॉ. चक्रधर शर्मा : भारतीय न्यायशास्त्र
7. डॉ. अभेदानन्द : तर्कभाषा
8. R.D. Ranade : Constructive Survey of Upanisnadic Philosophy
9. Hiriyanna : An Outline of Indian Philosophy
10. Das Gupta : History of Indian Philosophy